बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् दिनांक -29-08-2020

विषय – हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -9 अहिंसा और प्रेम के बारे में अध्ययन करेंगे।

एक बार महात्मा बुद्ध मगध की राजधानी राजगृह से चलकर श्रावस्ती पहुँचे।

भारतवर्ष के उत्तर प्रदेश प्रांत के गोंडा-बहराइच जिलों की सीमा पर यह प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ स्थान है। गोंडा-बलरामपुर से १२ मील पश्चिम में आज का **सहेत-महेत** गाँव ही **श्रावस्ती**है। प्राचीन काल में यह कौशल देश की दूसरी राजधानी थी। वर्तमान में अयोध्या के आस -पास का प्रदेश उस समय कोशल कहलाता था।

वहा का राजा प्रसेनजित महात्मा बुद्ध का शिष्य था।

जब श्रावस्ती महात्मा बुद्ध पहुँचते है तो राजा को बहुत ही बेचैन देखते हैं।

पूछने पर राजा ने कहा, भगवन् !

अंगुलिमाल डाकू से मेरी प्रजा परेशान है ।

इसी से मैं बहुत चिंतित हूँ। क्या करुँ, कुछ समझ में नहीं आता। दिलासा बँधाया और कहा, मैं तुम्हारी चिंता दूर करूँगा।

जबकि अंगुलिमाल बड़ा भयंकर डाकू था।

उसके अत्याचार से प्रसेनजित की प्रजा त्राहि – त्राहि कर रही थी।

वो हजार आदमियों की हत्या करने की प्रण रखी थी।

वह जितने आदमियों को मारता था उसकी संख्या याद रखने की एक उपाय निकाल रखी थी।

जब वह किसी का हत्या करता तो उसकी एक अंगुली धागे में पिरो कर अपने गले में डाले रहता था।

गृहकार्य

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए :

श्रावस्ती - ----------

व्याकुल - ----------

भयंकर - ----------

आदेश - ----------

हिंसा - ----------